4- आत्मकथ्य

① कवि आत्मकथा लिखने से क्यो बचना चाहता है?

उ० कवि आत्मकथा लिखने से इसलिए बचना चाहते है, क्योंकि यहाँ उसे अपनी कमजोरी और कमियों का उल्लेख करना पड़ेगा, वही आत्मकथा लिखने से उसकी पुरानी यादें ताजा हो जायेंगी, जिससे आत्मकथा पढ़ने वाले उसके बारे जान जायेंगे।

② आत्मकथा सुनाने के सन्दर्भ मे अभी समय भी नही कवि ऐसा क्यो कहता है?

उ० आत्मकथा सुनाने के सन्दर्भ में अभी समय भी नही है यह इसलिए कहता है कि अभी उसने अपने जीवन मे ऐसी कोई महान उपलब्धि प्राप्त नही है जिसे दूसरे को सुनाया जा सके। वह अपनी व्यथाओ को भूलाने का प्रयास कर रहा है, अभी उसकी वेदना व्यथाएँ भी सोई हुई शान्त पड़ी है, उन्हे वह फिर से हरा करने की इच्छा नही है।

③ स्मृति को पाथेय बनाने से कवि का क्या आशय है?

उ० स्मृति को पाथेय अर्थात रास्ते का भोजन या सहारा

बनाने का आशय यह है कि कवि अपने बीते जीवन की मधुर एवं सुखद स्मृतियों के सहारे ही जीना चाहता है।

⑤ उज्जवल गाथा कैसे गाऊँ मधुर चाँदनी रातों की कथन के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

उ० कवि इस कथन के माध्यम से यह कहना चाहता है कि निजी प्रेम के मधुर शब्द सबके सामने कहने के लिए नहीं होते हैं, क्योंकि दाम्पत्य प्रेम की कहानी व्यक्ति की निजी सम्पत्ति होती है। इसलिए आत्मकथा में उन पलों के बारे में कुछ लिखना अनावश्यक है। ~~वही~~ वैसे भी उसका दाम्पत्य जीवन पूरी तरह सफल नहीं रह पाया।

⑥ आत्मकथ्य कविता की काव्य-भाषा की विशेषताएँ उदाहरण सहित लिखिए।

उ० आत्मकथ्य कविता की काव्य भाषा की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

(i) कविता की भाषा शुद्ध साहित्यिक खड़ी बोली है। इसमें तत्सम शब्दों की प्रधानता है, जैसे इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन इतिहास।

(ii) कविता में संकेतों और प्रतीकों के माध्यम से भावों की सशक्त अभिव्यक्ति हुई है। जैसे तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे यह गागर ~~रीती~~ रीती।

(iii) कविता की भाषा में छायावादी शैली का प्रयोग

Page No. :
Date :

किया गया है। जैसे 'उज्जल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातो की।

(iv) प्राकृतिक उपमानो का बहुलता से प्रयोग किया गया है। जैसे पत्तियाँ, नीलिमा, चाँदनी रात आदि।

(v) अलकांरो का सहज प्रयोग भी सुंदर है जैसे -
(i) मेरी मौन अनुप्रास
(ii) थकी सोई है मेरी मौन व्यथा (मानवीकरण)
~~(iii)~~ अरी सरलता तेरी हँसी उडाऊँ मैं (मानवीकरण)

7 कवि ने जो सुख का स्वप्न देखा था उसे कविता मे किस रुप मे अभिव्यक्त किया है?

उ० कवि ने अपनी प्रेमिका को आलिंग्न मे लेने का सुख देखा था जो आलिंग्न मे आते-आते दूर भाग गया। वे मधुर चाँदनी मे प्रेमभरी बाते कर रहे थे। आपस खिला-खिला रहे थे। उसके प्रेमिका की गालो की लालिमा ~~उषाकालि~~ उषाकालीन लालिमा से भी सुन्दर प्रतीत हो रही थी।